हेरोल्ड का सर्कस

क्रॉकेट जॉनसन

हेरोल्ड का सर्कस

क्रॉकेट जॉनसन

एक चांदनी शाम में अपनी
काबलियत को साबित करने के लिए,
हेरोल्ड एक तनी रस्सी पर चलने लगा.

उसने यह सुनिश्चित किया कि रस्सी सीधी और
एकदम खिंची हो, नहीं तो रस्सी इधर-उधर
हिचकोले खाती.
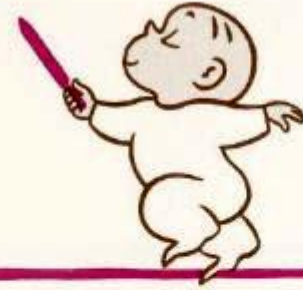
वो तनी रस्सी पर हल्के से कूदा.
इसमें उसे बड़ा मज़ा आया क्योंकि
वो बाकी सर्कस के बहुत ऊपर था.

वो काफी देर तक तनी हुई रस्सी पर करतब दिखाता रहा. पर अंत में उसने अपना संतुलन खो दिया.

तनी हुई रस्सी से गिरना भी काफी आसान था.

हेरोल्ड गिरते समय घूमा और मुड़ा. उसने
अपने हाथ में कसकर बैंगनी क्रेयॉन पकड़ा था.

हेरोल्ड का नसीब अच्छा था क्योंकि
उसे नीचे एक अच्छा वक्र दिखाई दिया.

और वो एक हाथी की सूंड पर जाकर उतरा.
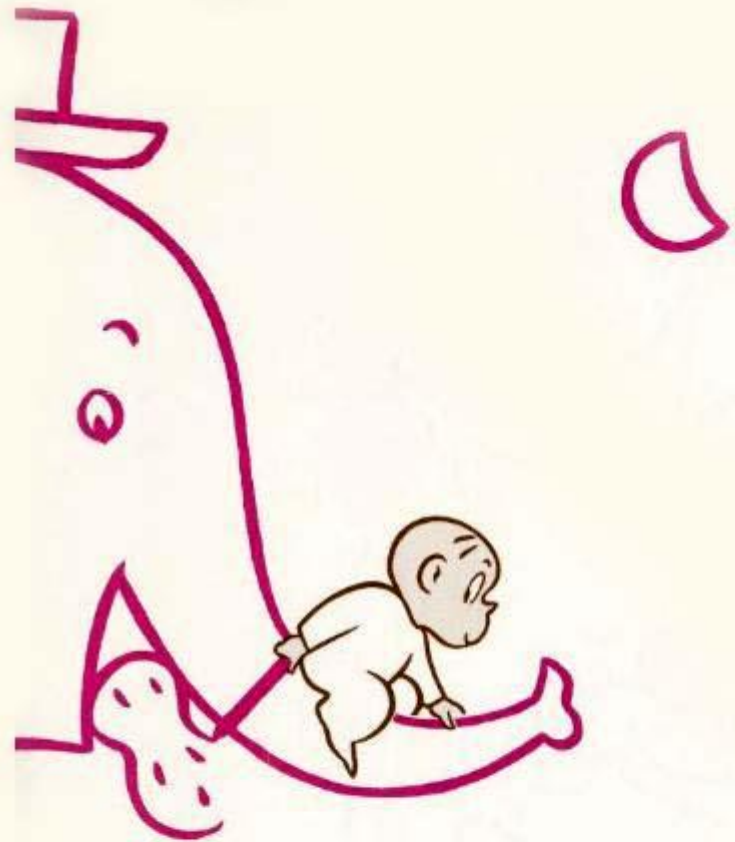
वो एक काफी मुश्किल करतब था, उसने सोचा.

फिर उसने हाथी को इनाम में एक बड़ी मूंगफली दी.
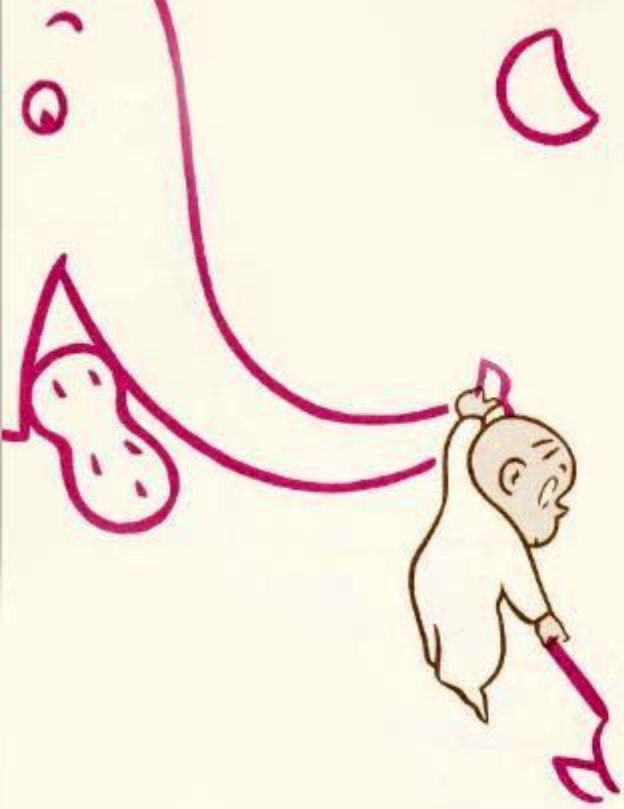
हाथी कितने ऊंचे जानवर होते हैं!

हेरोल्ड अभी भी जमीन से काफी ऊपर था.
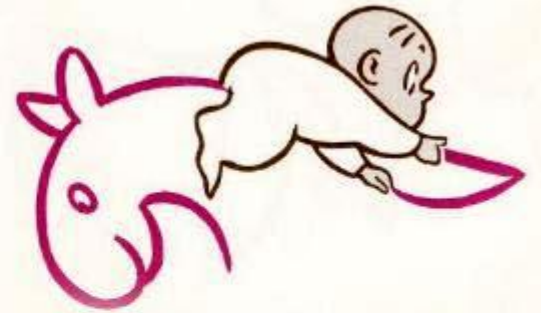
इसलिए वह हाथी की सूंड से कूदा और

एक छोटे जानवर के गले से लटक गया.

वो जानवर, सर्कस का सुंदर घोड़ा था, जिसे खूबसूरती
से प्रशिक्षित किया गया था. इसलिए हेरोल्ड आसानी
से घोड़े से लेफ्ट-राइट करवा पाया.
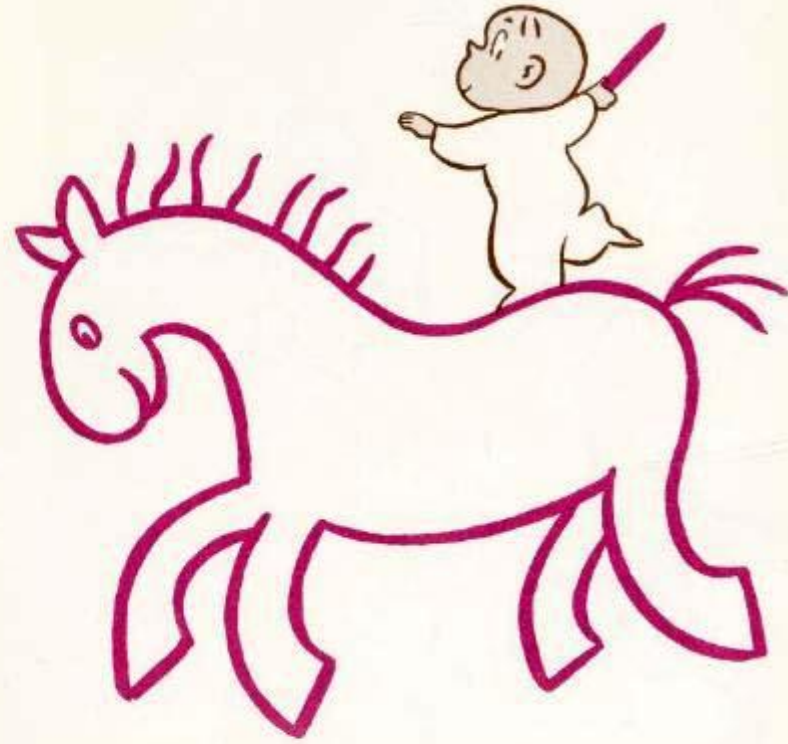
बिना किसी काठी के हेरोल्ड ने घोड़े की
सवारी की. उसने घोड़े पर सवार होकर
लोगों को तमाम करतब दिखाए.

अंत में वो घोड़े की पीठ से बड़ी
खूबसूरती से उछला.
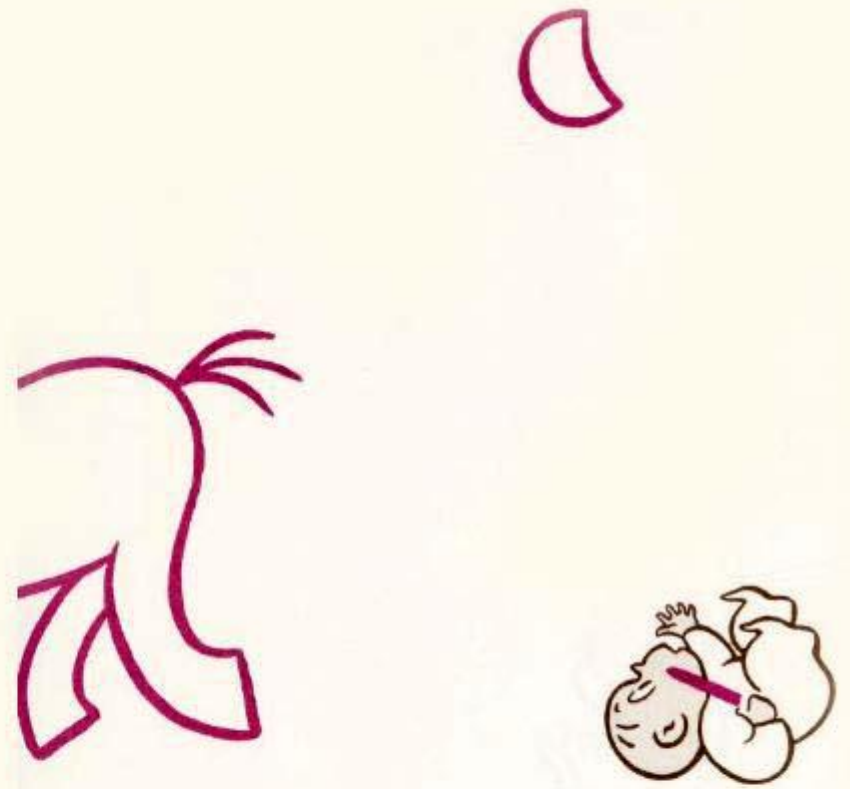
पर वो थोड़ा चूक गया. वो गिर पड़ा और फिर एक
हास्यास्पद स्थिति में उसने कलाबाज़ी लगाई.

इससे पहले कि कोई उस हादसे पर हंसता हेरोल्ड
ने ऐलान किया कि वो मसखरी कर रहा था.

फिर हेरोल्ड ने जल्दी से
एक जोकर की टोपी पहन ली.
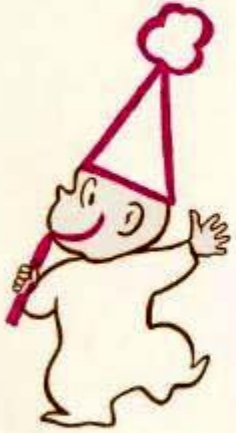
अब उसके चेहरे पर एक जोकर की मुस्कान थी.
और वो एक मज़ाकिया जोकर की तरह
लोगों को हंसा रहा था.
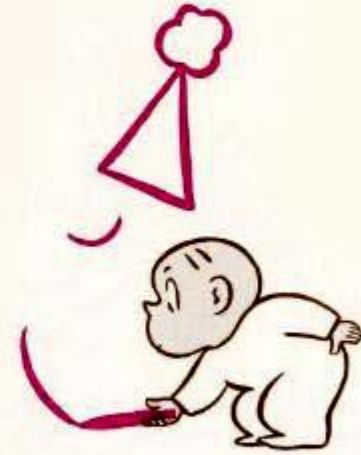
अंत में उसने जोकर की टोपी
और मुस्कान उतार दी.
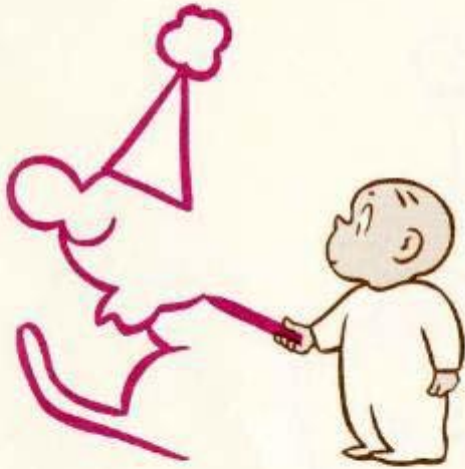
उसने उन्हें जोकर को वापस कर दिया.
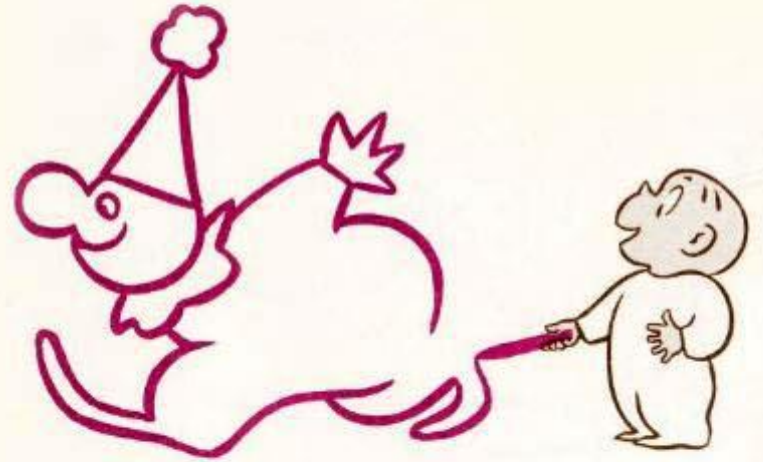
असली जोकर बेहद मजाकिया था.

हेरोल्ड उसकी करतबों पर हँसता ही रहा.

हेरोल्ड ने खुद से कहा, शायद वो मेरे
जीवन का सबसे अच्छा सर्कस था.

सभी सरकसों की तरह,
इस सर्कस में भी एक मोटी महिला थी.
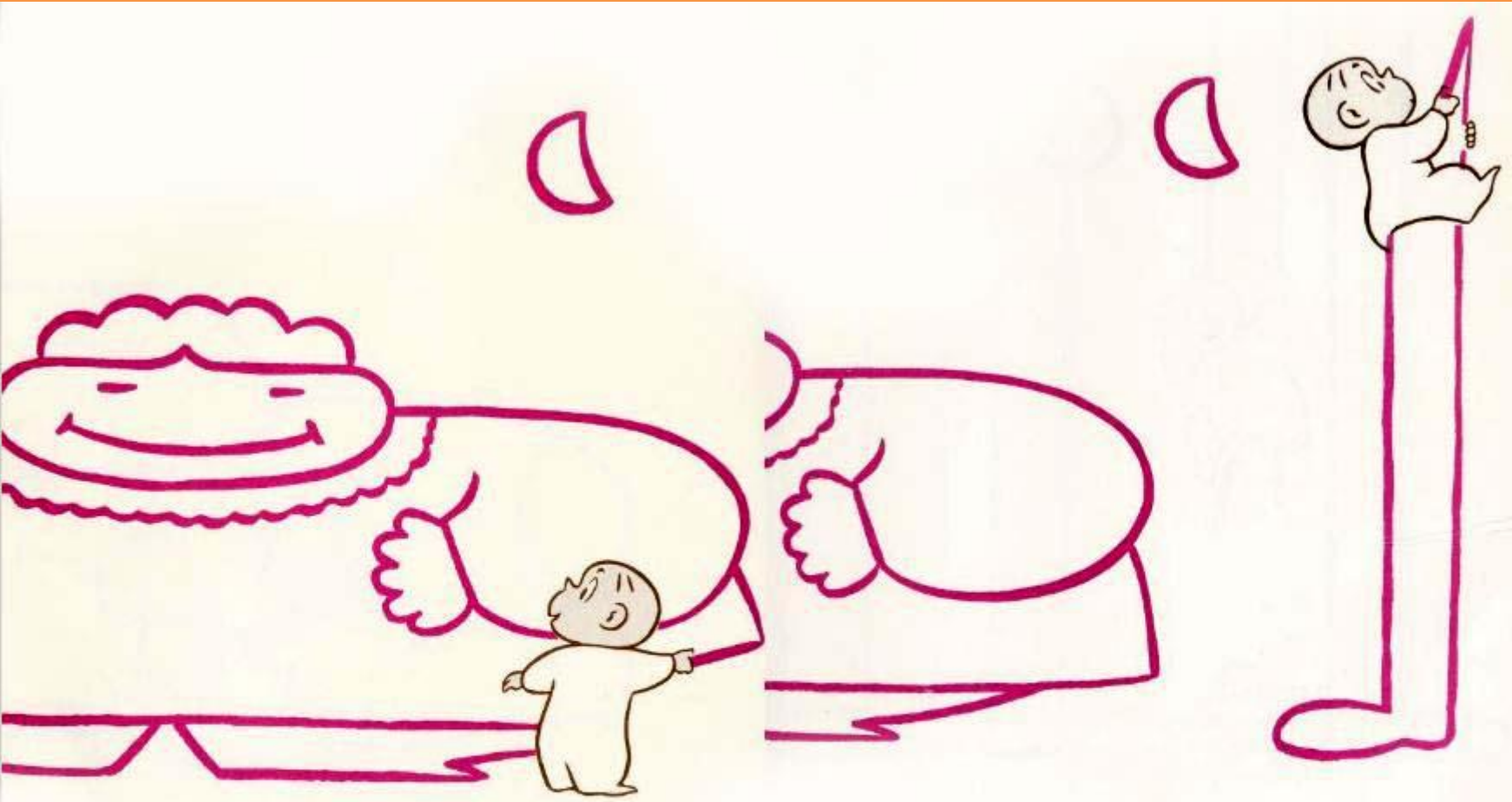
वो आश्चर्यजनक रूप से मोटी थी.

और साथ में एक बहुत ऊंचा आदमी भी था.

वो आदमी वाकई में बहुत ऊंचा था.
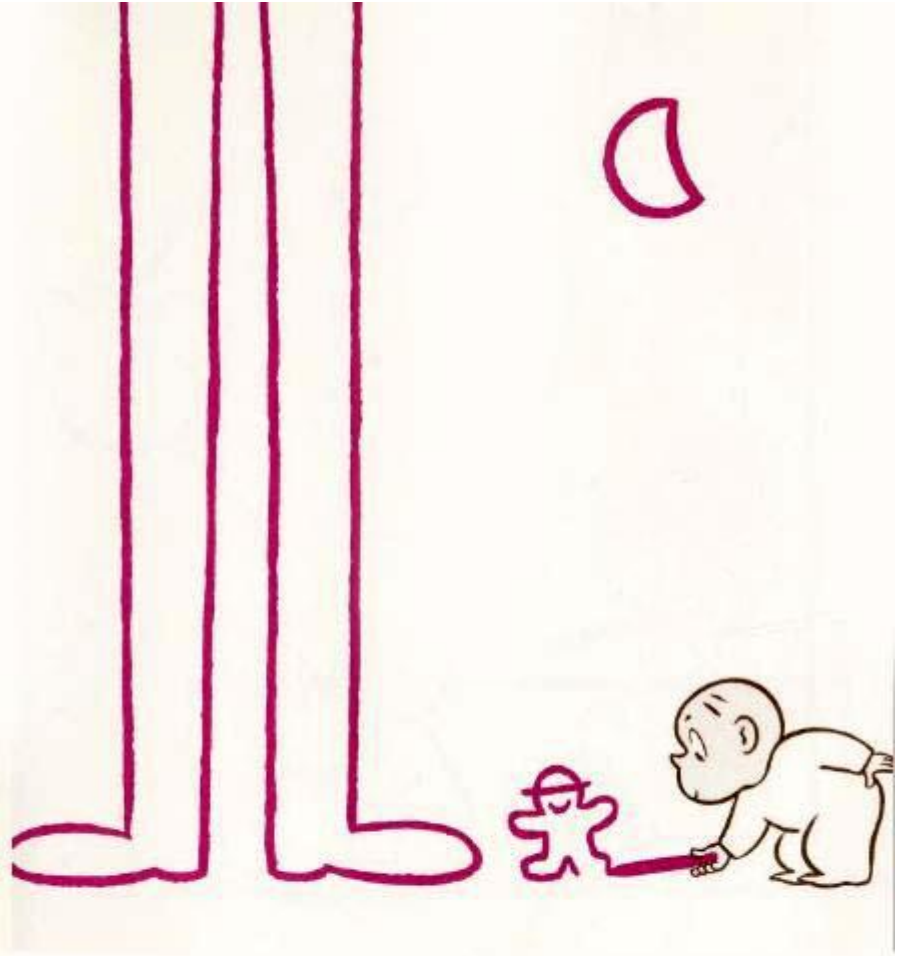
और उसकी बगल में एक बहुत छोटा बौना भी था.
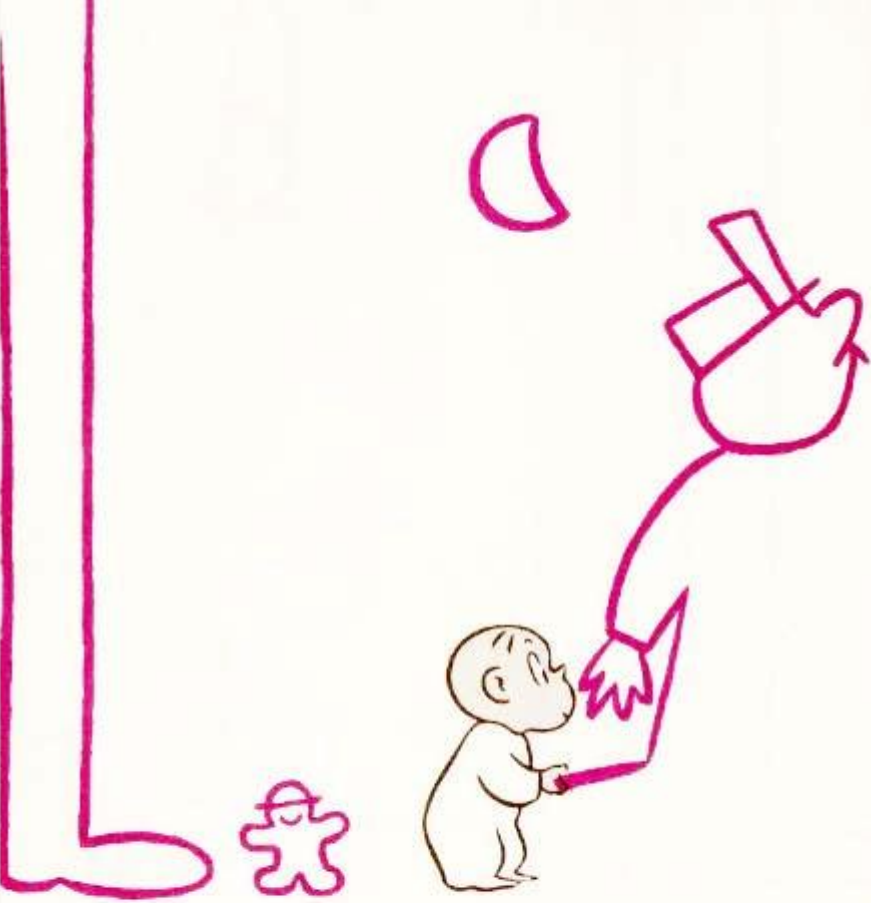
एक अन्य आदमी भी था - नींबू-पानी वाला आदमी.

उसके पास नींबू-पानी का एक बड़ा टैंक था.

हेरोल्ड ने स्ट्रॉ के ज़रिए नींबू-पानी पिया .
उसके बाद उसने काफी ताज़ा महसूस किया.

उसने नींबू-पानी के भुगतान के लिए काउंटर पर कुछ
पैसे छोड़े और फिर वो वहां से चला, उस व्यक्ति की
तलाश में, जिसे तभी तोप से दागा गया था.
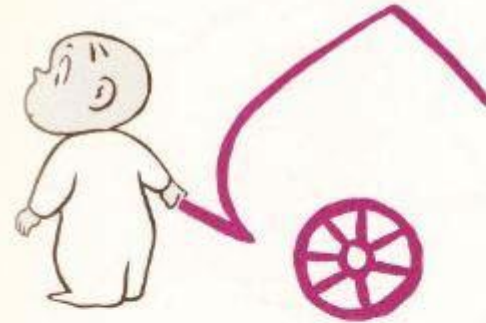
हेरोल्ड को इस बात का कोई अंदाज़ नहीं था कि तोप
में से दागा जाने वाला आदमी कैसा दिखता होगा.

वो आदमी वहां मौजूद नहीं था,
हालांकि तोप बिल्कुल तैयार थी.
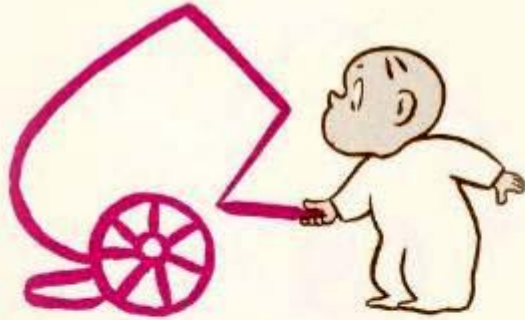
सर्कस कभी किसी का इंतजार नहीं करता है.

बस अब एक ही काम बचा था.
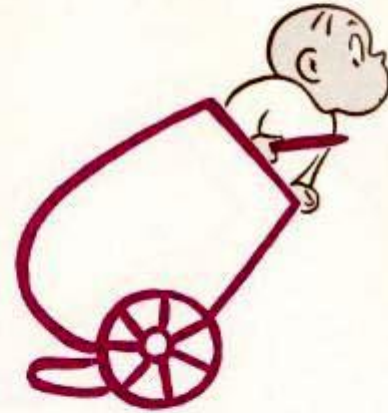
तोप की नली का हेरोल्ड ने

अच्छी तरह से मुआयना किया.

फिर वो नली में घुस गया.
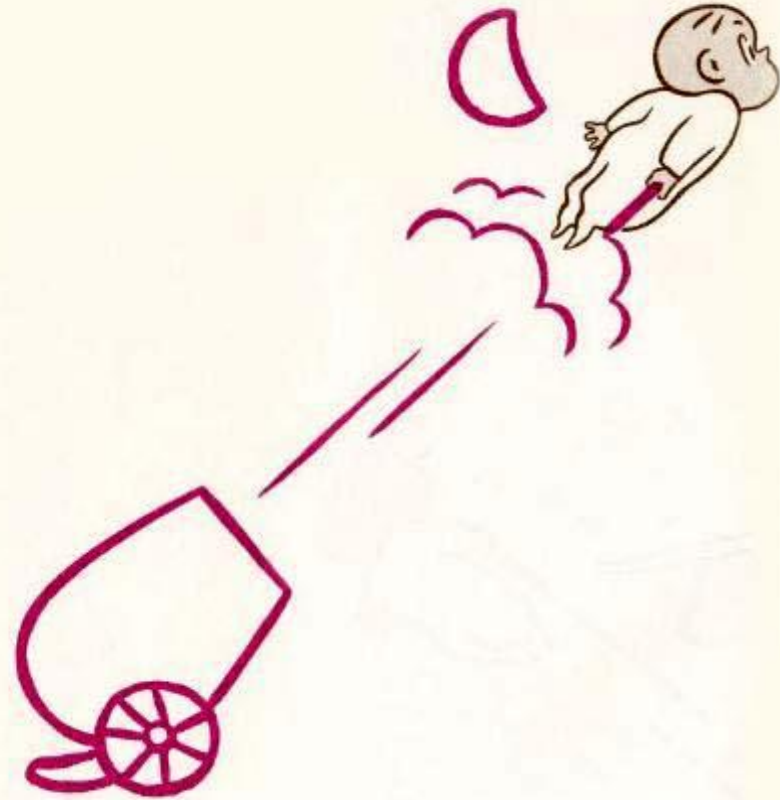
फिर हेरोल्ड उसमें से गोले जैसे बाहर निकला.
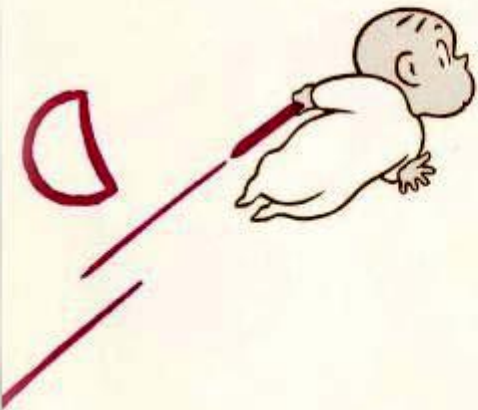
वो बहुत तेजी से ऊपर उठा.
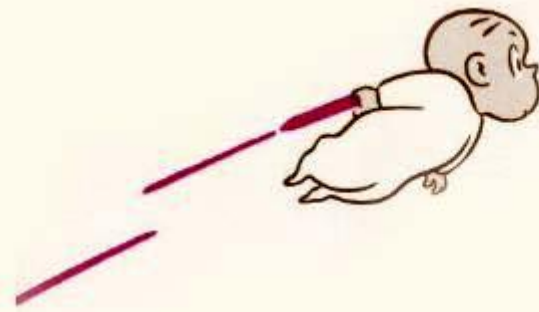
वह सर्कस के सबसे ऊपर वाले भाग में पहुंचा, जहां लोग झूलों पर उड़ान भरते हैं और छल्लों में से निकलते हैं.

हेरोल्ड ने अपना हाथ बढ़ाया.

और उसने एक फ्लाइंग रिंग पकड़ा.

उस पर झूलता हुआ वो बहुत दूर निकल गया.
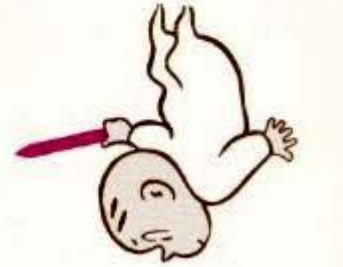
फिर उसने रिंग छोड़ा और हवा में एक कलाबाज़ी लगाकर सीधे नीचे की ओर गोता लगाया.
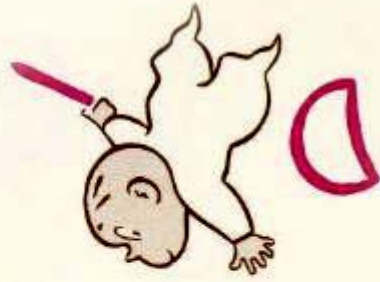
उसे यकीन था कि हाथी उसे फिर से
पकड़ने के लिए वहाँ मौजूद होगा.
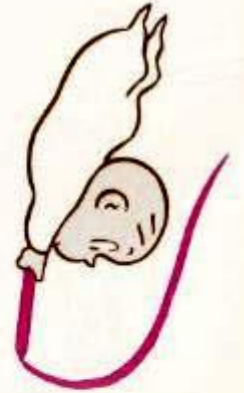
इस बार उसे नीचे फिर से एक
जाना-पहचाना वक्र दिखाई दिया.
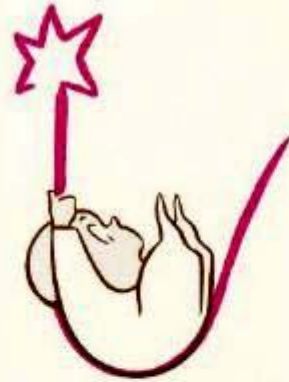
वो बड़ी मुश्किल से नीचे उतरा.

पर वो कोई हाथी की सूंड नहीं थी.

वो एक शेर की पूंछ थी.

वो शेर किसी तरह सर्कस में से भाग निकला था.
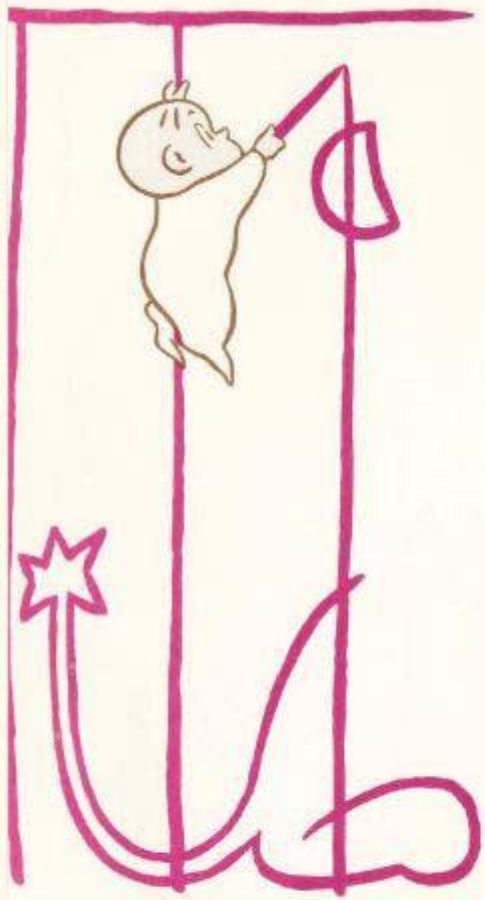
इससे पहले कि कोई भी खतरे को पहचानता और कुछ कदम
उठाता, हेरोल्ड शेर को पिंजरे में ले जाने का काम कर रहा था.
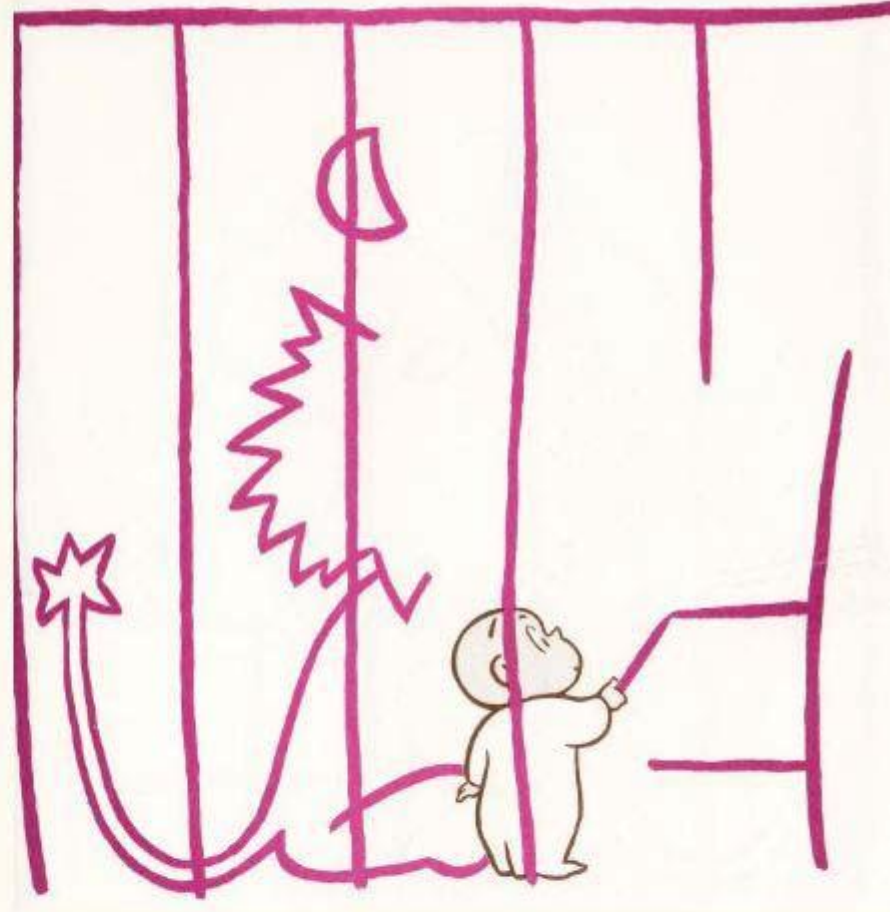
हेरोल्ड, खुद शेर के पिंजरे में घुस गया.
वहां सिर्फ शेर के ट्रेनर की कुर्सी थी.
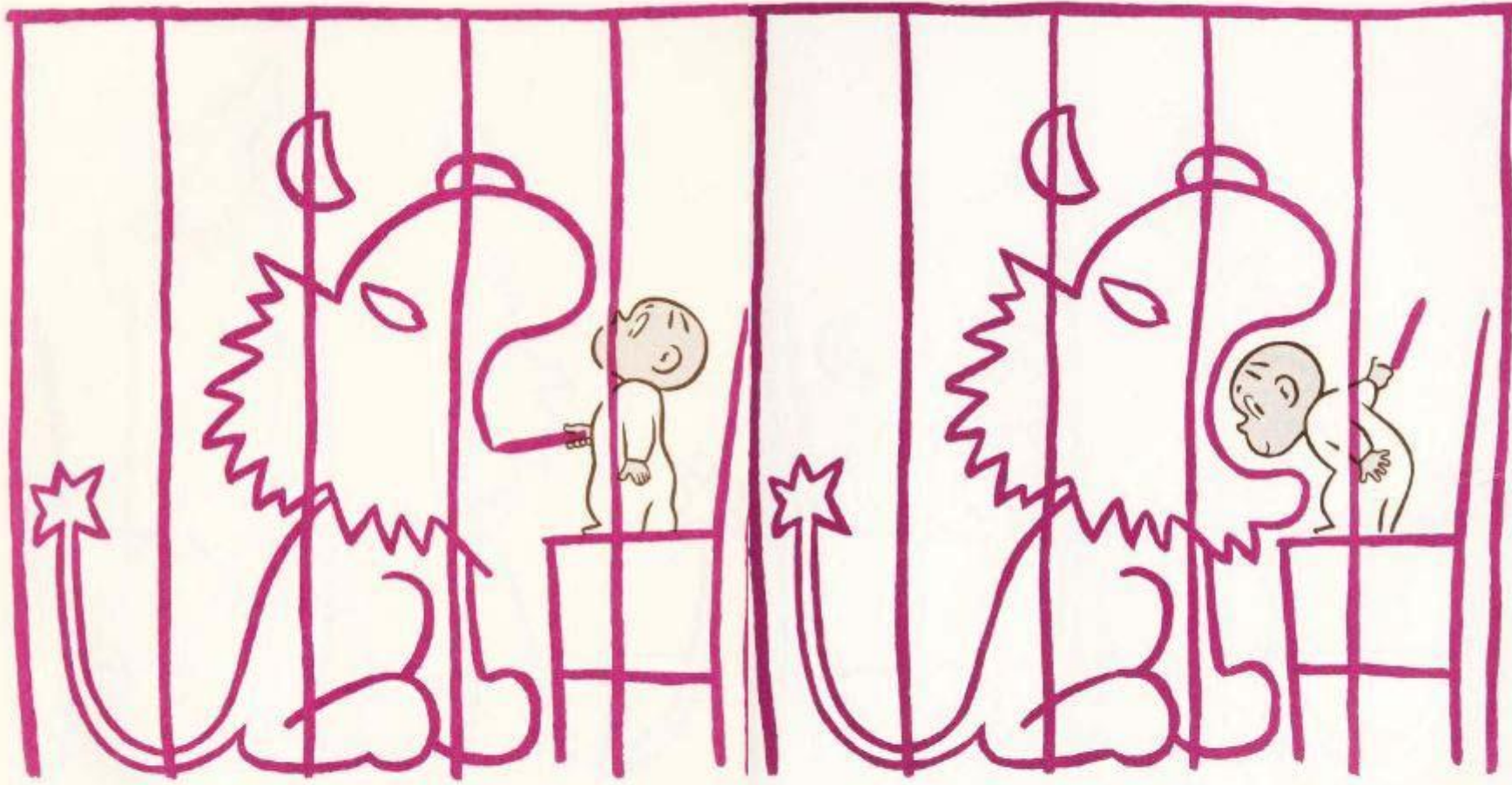
फिर, एक बहादुर शेर ट्रेनर की तरह,
हेरोल्ड ने शेर का सामना किया.

हेरोल्ड ने बिना किसी डर के,
शेर के मुँह में अपना सिर डाल दिया.
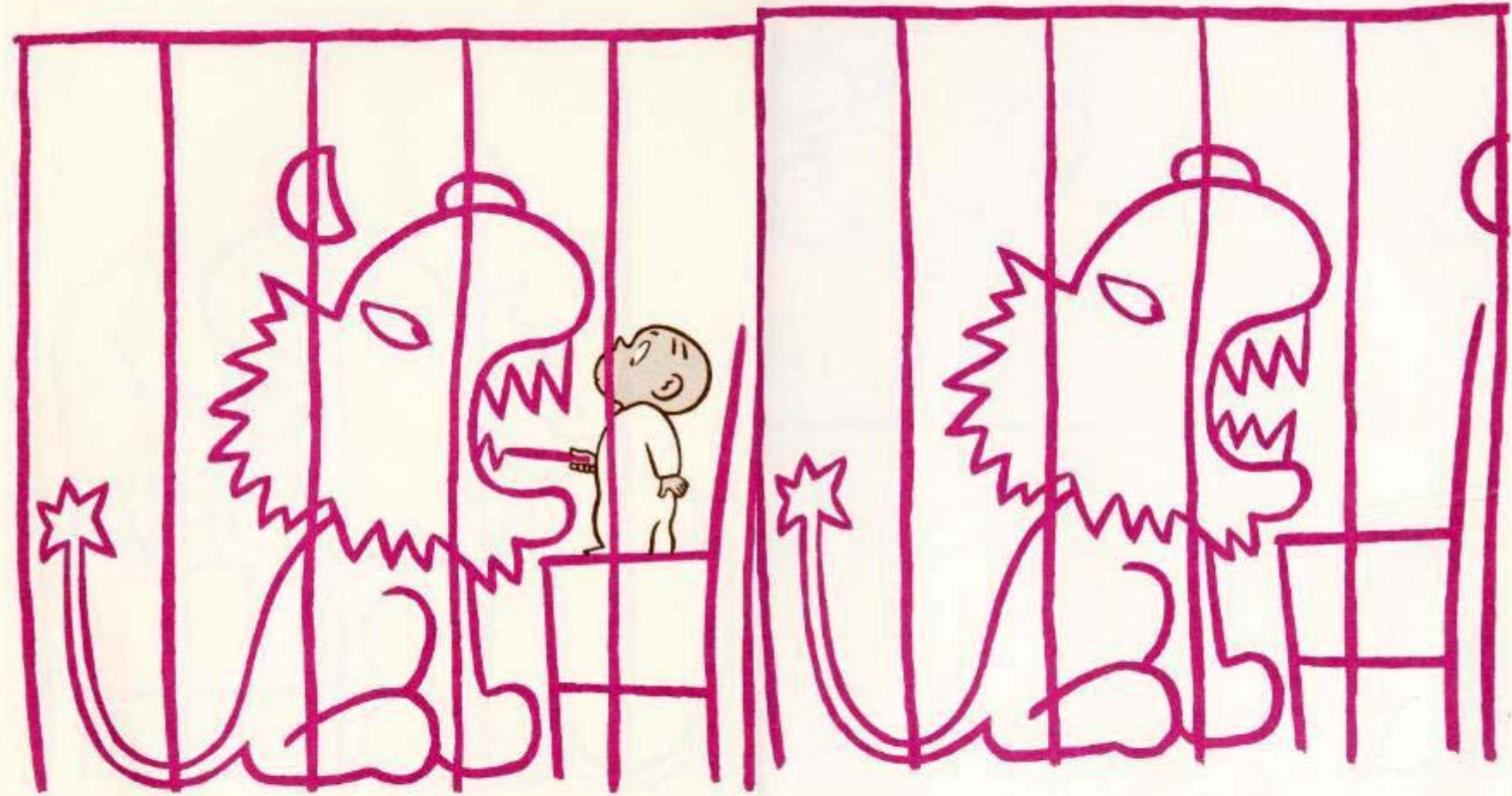
जब उसने शेर के मुंह से अपना सिर निकाला,
तो उसे यह महसूस हुआ कि शेर के बड़े-बड़े दांत थे.

फिर अचानक अपनी बहादुरी पर
हेरोल्ड थोड़ा भयभीत भी हुआ.

शेर के पिंजरे से निकलते हुए हेरोल्ड ने कहा, इसमें
खुद की भावनाएं कोई ख़ास मायने नहीं रखती हैं.

किसी भी सर्कस का मुख्य काम
दर्शकों को खुश करना होता है.

हेरोल्ड ने देखा कि सर्कस में आए
सभी दर्शकों के चेहरों पर मुस्कान थी.

इतने सारे लोगों को खुश करने के बाद
हेरोल्ड स्वाभाविक रूप से खुद भी खुश हो गया.

फिर वो मुस्कुराया और बड़ी
विनम्रता से दर्शकों के सामने झुका.

समाप्त